मैं हूँ मधुमक्खी

(कहानी)

15

संभव और खुशी फूलों के बगीचे में पकड़म-पकड़ाई खेल रहे थे। तभी उन्हें फूलों पर मँडराती-गुनगुनाती मधुमक्खी दिखाई पड़ी। वह कभी इस फूल के ऊपर जाती तो कभी उस फूल के ऊपर। दोनों हैरानी से एक-दूसरे को देखने लगे। तभी उन्हें किसी के ठहाका मारकर हँसने की आवाज आई।

"अरे, इधर-उधर क्या देख रहे हैं? मैं तो आपके सामने हूँ।" संभव और खुशी ने देखा सामने पंख फैलाए मधुमक्खी खड़ी थी वह बड़े प्यार से बोली– "बच्चो! जानते हो, मैं कौन हूँ? मैं हूँ शहद की मक्खी। हाँ-हाँ, वही शहद जिसे आप खूब मजे से खाते हैं।"

संभव बात काटते हुए बोला– "पर तुम तो बहुत छोटी-हो, तुम शहद कैसे बनाती हो?"

मधुमक्खी हँसकर बोली– "ठीक है, चलो मैं आपको अपने बारे में बताती हूँ।"

हमारे शरीर पर छोटे-छोटे बाल और छोटे-छोटे पंख होते हैं। यही पंख उड़ने में हमारी सहायता करते हैं। हमारी भी आपकी तरह दो आँखें होती हैं, जो सिर के दोनों ओर होती हैं। प्रत्येक आँख में लगभग छह हजार लेंस होते हैं। परंतु हमारे नाक और कान नहीं होते, बल्कि उनके स्थान पर सिर के आगे जादुई एंटीना होते हैं, जो सूँघने तथा सुनने में हमारी सहायता करता हैं। हम पैरों की सहायता से सफाई, कटाई और किसी चीज को पकड़कर रखने का कार्य करते हैं। हमारे सबसे पीछे के दो पैरों में फूलों का पराग एकत्रित करने के लिए थैले भी होते हैं।

हमारा सामाजिक जीवन बहुत ही रोचक होता है। हमें अकेले रहने और अकेले खाने की आदत नहीं होती। हम प्रायः छत्ता बनाकर समूह में रहती हैं। प्रत्येक छत्ते में एक रानी मक्खी होती है।

हम सभी मधुमक्खियाँ उसके निर्देशों का पालन करती हैं। रानी बड़ी होती है। हम सभी मधुमक्खियाँ रानी मधुमक्खी की देखभाल करती हैं। सरदियों में ठंड से बचाव के लिए हम सभी मधुमक्खियाँ रानी मधुमक्खी के आस-पास घेरा बनाकर रहती हैं। रानी मधुमक्खी प्रायः वसंत के मौसम में ही अंडे देती है। हम सभी भोजन जुटाने का कार्य करती हैं तो कुछ छत्ता बनाने का। जानते हो,

शहद कैसे बनता है? शहद बनाने के लिए हम मधुमक्खियाँ फूलों से रस चूसती हैं। फिर उसे अपने मुँह में इकट्ठा कर लेती हैं। हमारे मुँह की लार इसमें मिल जाती है। हमारी लार में कुछ विशेष प्रकार के रासायनिक पदार्थ होते हैं, जिसके फलस्वरूप फूलों का पतला रस खुशबूदार गाढ़े शहद में परिवर्तित हो जाता है।

जब हम मधुमक्खियाँ फूलों का रस चूसती हैं, तो पराग और फूलों का कुछ भाग हमारे पेट में चला जाता है। वहाँ जाकर यह मोम में बदल जाता है। यह मोम हमारे पेट की त्वचा की थैलियों में जम जाता है, जिससे हम अपने रहने के लिए छत्ता तैयार करती हैं।

संभव और खुशी बहुत मजे से मधुमक्खी की बातें सुन रहे थे। मधुमक्खी फिर बोली– "क्या कभी आपने हमारे छत्ते को ध्यान से देखा है? हमारे छत्ते के भीतर एक ही आकार के छह कोनों के कई कमरे होते हैं। इन कमरों में ही हम मधु एकत्रित करती हैं। बाकी कमरों में रानी मक्खी अंडे देती है जिससे हमारी संख्या बढ़ जाती है। हमारे एक ही छत्ते में लगभग 50,000 से 60,000 तक मधुमक्खियाँ रहती हैं।

हम मधुमक्खियाँ खट्टा, मीठा सभी प्रकार का स्वाद आसानी से पहचान लेती हैं। जब कोई शत्रु हमारी ओर आता है तब हमारे अंदर से एक विशेष प्रकार की शारीरिक गंध निकलती है। इससे हम सभी मधुमक्खियों को शत्रु के आने की सूचना मिल जाती है और हमारे आस-पास की सभी मधुमक्खियाँ सतर्क हो जाती हैं। अपने बचाव के लिए हम अपने शत्रु पर डंक से आक्रमण करती हैं। हम बहुत ही उपयोगी जीव हैं। क्या आप जानते हैं, कि पुराने जमाने में जब तिजोरियाँ नहीं होती थीं, तो लोग अपना बहुमूल्य सामान हमारे द्वारा बनाए छत्ते में छिपाकर रखते थे, ताकि कोई उन्हें चुरा न पाए।

हमसे ही आपको मधु एवं मोम प्राप्त होता है। यह मधु बहुत ही पौष्टिक एवं स्वादिष्ट होता है। मोम का प्रयोग मोमबत्तियाँ बनाने तथा सौंदर्य प्रसाधनों में भी किया जाता है। तो बच्चो, देखा आपने! मैं कितनी उपयोगी और परिश्रमी जीव हूँ!"

शब्द-अर्थ

सामाजिक – समाज में रहने वाला *(social)*,
रोचक – मनोरंजक, रुचि रखने वाला *(interesting)*,
समूह – झुंड *(group)*,
एकत्रित – इकट्ठा *(collect)*,
गंध – खुशबू *(fragrance)*,
सतर्क – सावधान *(discreet)*,

निर्देश – आज्ञा *(order)*,
परिवर्तित – बदलना *(change)*,
पराग – फूलों के अंदर पाए जाने वाले सुगंधित कण *(pollen)*,
मधु – शहद *(honey)*,
आक्रमण – हमला *(attack)*,
उपयोगी – लाभदायक *(important)*,
पौष्टिक – ताकत देने वाला *(nutritious)*,
स्वादिष्ट – जिस वस्तु में स्वाद हो *(tasteful)*।

अभ्यास

मौखिक

1. इन शब्दों को पढ़कर सुनाइए–

मँडराती	मधुमक्खी	जादुई	सूँघने	एकत्रित	सामाजिक	निर्देशों
आक्रमण	इकट्ठा	परिवर्तित	त्वचा	स्वाद	शारीरिक	सतर्क

2. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) मधुमक्खी की प्रत्येक आँख में कितने लेंस होते हैं?

(ख) रानी मधुमक्खी प्रायः कौन-से मौसम में अंडे देती है?

(ग) शहद बनाने के लिए मधुमक्खियाँ कहाँ से रस चूसती है?

(घ) एक छत्ते में कितनी मधुमक्खियाँ होती हैं?

लिखित

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) पुराने ज़माने में लोग अपना बहुमूल्य सामान मधुमक्खियों के छत्ते में क्यों रखते थे?

☐ क्योंकि मधुमक्खियाँ बहुत उपयोगी जीव हैं।

☐ ताकि उन्हें कोई चुरा न पाए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) मधुमक्खियाँ पैरों की सहायता से क्या कार्य करती हैं?

(ख) रानी मक्खी का क्या कार्य है?

(ग) मधुमक्खियाँ शहद कैसे बनाती हैं?

(घ) मधुमक्खियाँ शत्रुओं से अपना बचाव कैसे करती हैं?

भाषा-ज्ञान

1. सही शब्दों के द्वारा वाक्य पूरे कीजिए–

ने, में, को, से, पर

(क) सोनाली ..... आम खाया।

(ख) यश ने वैभव ..... बुलाया।

(ग) मधुमक्खियाँ छत्ता बनाकर समूह ..... रहती हैं।

(घ) मधुमक्खियों के शरीर ..... छोटे-छोटे बाल होते हैं।

(ङ) मधुमक्खियाँ अपने शत्रु पर डंक ..... आक्रमण करती हैं।

2. शुद्ध शब्दों के सामने (✓) लगाइए–

(क)	☐ दुनीया	☐ दूनिया	☐ दुनिया	☐ दूनीया
(ख)	☐ बहुमूल्य	☐ बहुमुल्य	☐ बहुमूलय	☐ बहुमूलय
(ग)	☐ पोष्टिक	☐ पौष्टिक	☐ पोषिटक	☐ पौषिटक
(घ)	☐ स्वादिष्ट	☐ सवादिष्ट	☐ स्वादीष्ट	☐ स्वादिश्ट

3. नीचे दिए गए शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

(क) एकत्रित – .....

(ख) भोजन – .....

(ग) निर्देश – .....

(घ) आक्रमण – .....

(ङ) स्वादिष्ट – .....

क्रियात्मक गतिविधि

- यदि मधुमक्खियाँ बोल पातीं तो हमसे क्या कहतीं? संवाद के रूप में लिखिए।
- जिस प्रकार मधुमक्खियाँ प्रायः फूलों पर मँडराती हैं, उसी प्रकार कुछ जीव-जंतु भोज्य पदार्थों के आस-पास दिखाई देते हैं। उनके नाम लिखिए।